nandgaon times sep-16-3.qxd 9/15/2025 11:54 PM Page 1

नवरात्रि पर जगदलपुर के गायक-गीतकार... पृष्ठ 2 | प्रतियोगिताओं में महिलाओं एवं बच्चों... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

मंगलवार, 16 सितंबर 2025, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 49, अंक 324, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

।। जय श्री जलाराम ।।

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।

मो: 98274-61508, 83192-88559

नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।

दूरदर्शन ने समाज को वैचारिक रूप से समृद्ध करने और संस्कारों को संवारने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित दूरदर्शन केंद्र में आयोजित दूरदर्शन के 66वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए और दूरदर्शन परिवार, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं दर्शकों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ी अपनी स्मृतियाँ साझा कीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दूरदर्शन के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, गीत तथा शास्त्रीय संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। मुख्यमंत्री के समक्ष कलाकारों ने गौर नृत्य, बांस गीत, जवारा नृत्य, सुआ नृत्य और गौरी-गौरा जैसे लोकनृत्य प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दूरदर्शन ने मनोरंजन के साथ-साथ हमें वैचारिक रूप से समृद्ध करने और संस्कारित करने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने 1982 में एशियाई खेलों के रंगीन प्रसारण, रामायण और महाभारत जैसे धारावाहिकों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में दूरदर्शन का जादू ऐसा था कि प्रसारण के समय सड़कों पर सन्नाटा छा जाता था। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि च्मिले सुर मेरा तुम्हाराज्ज् जैसे गीतों के माध्यम से दूरदर्शन ने देश की एकता और सांस्कृतिक एकरूपता का संदेश दिया। समाचारों की गरिमा और भाषा की शुचिता बनाए रखने में दूरदर्शन की परंपरा सदैव सराहनीय रही है। मुख्यमंत्री श्री

साय ने कहा कि दूरदर्शन के प्रादेशिक केंद्रों ने स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया है। रायपुर दूरदर्शन ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रमों और विशेषकर च्हमर चिन्हारीज्ज् के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुँचाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कृषि दर्शन, महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों और युवाओं के लिए प्रस्तुत विशेष सामग्री के माध्यम से दूरदर्शन ने समाज के हर वर्ग को जोड़ा है। उन्होंने अपनी मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सँभालने के बाद च्अपनी बातज्ज् कार्यक्रम में दिए गए साक्षात्कार को याद करते हुए कहा कि दूरदर्शन हमेशा स्पष्टता से और विस्तारपूर्वक अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लाखों हितग्राहियों को मिल रहा है और दूरदर्शन के द्वारा समाज में आने वाले सकारात्मक बदलावों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी एक व्यक्ति की सफलता की कहानी दूरदर्शन पर प्रसारित होती है, तो वह लाखों लोगों के जीवन को बदलने का सशक्त आधार बनती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दूरदर्शन परिवार को पुन: स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि दूरदर्शन इसी प्रकार आम जनता का मनोरंजन, संस्कार और जागरूकता का प्रमुख माध्यम बना रहेगा। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि दूरदर्शन ने छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी दूरदर्शन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक सशक्त रूप से दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा।

समानता, सहयोग तथा सेवा भाव से समाज सशक्त होगा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव का आज भव्य शुभारंभ हुआ। स्थानीय अग्रसेन भवन में प्रात: 10 बजे मुख्य अतिथि

प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री मनोहर लाल बिंदल ने ध्वजारोहण किया। कुलपिता - माता एवं कुलदेवी की पूजा अर्चना तथा प्रज्वलित दीपशिखा की स्तुति के साथ समारोह प्रारंभ हुआ। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री बिंदल ने कहा कि अग्रवाल समाज ने अपने आराध्य भगवान श्री अग्रसेन जी का अनुसरण करते हुए अतुलनीय उपलब्धियां हासिल की है। समानता सहयोग और सेवाभाव के साथ कार्य करते हुए हमारा समाज और अधिक सशक्त तथा समृद्ध बनेगा। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने अपने उद् बोधन में अग्रसेन जयंती की महत्ता प्रतिपादित करते हुए कहा कि सभी अग्र परिवार पूरे एक सप्ताह तक जयंती महोत्सव में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। अपने परिवार एवं समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए इस उत्सव का पूरा आनंद लें। निवृत्तमान अध्यक्ष श्री संतोष अग्रवाल ने कहा कि सामाजिक एकजुटता जरूरी है। उन्होंने जयंती कार्यक्रमों में सहभागिता एवं उत्साहवर्धन की अपील की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन करते हुए मीडिया प्रभारी संजय अग्रवाल ने भूमिका रखी कि हम अग्रवंशी इस सामाजिक उत्सव को महोत्सव बनाने की ओर अग्रसर हैं।अंत में अग्रवाल सभा के कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने आभार ज्ञापित किया । आज की प्रतियोगिताएं 16 सितम्बर, मंगलवार महिला मंडल द्वारा - राणीसती दादी की आकृति बनाओ (मूंगदाल की पीठी से) , खड़े सूखे मसाले से ज्वेलरी बनाओ, मीठे व्यंजन बनाओ (रागी से), श्री अग्रसेन जी का मुकुट बनाओ, लक्की ड्रा एवं 1 मिनट गेम्स । नवयुवक मंडल द्वारा - नींबू दौड़ (जूनियर, सीनियर) , लूडो (जूनियर, सीनियर एवं महिला) प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी ।

नई दिल्ली (नांदगांव टाइम्स)। नव निर्वाचित उपराष्ट्रपति डॉ सी पी राधाकृष्णन को राज्यसभा कार्यालय मैं पद भार ग्रहण के अवसर पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए ऑल इंडिया एक्स एम पी एसोसिएशन के महासचिव पूर्व सांसद प्रदीप गांधी।

10 साल तक ब्राह्मण समाज के पुरुषों ने किया श्राद्ध

विगत 6 वर्षों से मौका महिलाओं को, 1947 से अब तक जितने शहीद उन सभी को महिलाओं ने किया तर्पण शहर में यह सातवीं बार

रायपुर। सर्व ब्राह्मण समाज ने सोमवार को महादेव घाट में पितृ तर्पण किया द्य यह खास इसलिए है क्योंकि यहां उन पूर्वजों का श्राद्ध किया गया जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी.1947 से लेकर देश भर में आतंकी और नक्सली हमले में जितने अफसर जवान शहीद हुए हैं उनके नाम से अनुष्ठान किए गए. सोमवार सुबह समाज की सभी महिलाएं महादेव घाट में इकट्ठी हुई. खारून नदी में शहीदों को जल अर्पण तर्पण किया. इस दौरान देश की आजादी से पहले शहीद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा ज्ञात अज्ञात महिलाओं के नाम से भी विविध अनुष्ठान किए गए. सभी शहीद पितरों का आव्हान कर महिलाओं ने उन्हें चावल, तिल,गुड़, उड़द दाल आदि का अर्पण किया. इस दौरान पंडितों का दल भी मौजूद रहा

जिन्होंने मंत्र उच्चारण के साथ विधि पूर्वक सारे अनुष्ठान संपन्न कराए. समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा का कहना है कि दुनिया भर में महिलाएं तेजी से हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, अब भी कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां महिलाओं को समानता नहीं मिली है. इसी दिशा में प्रयास करते हुए सातवी बार महिलाओं से शहीदों तथा ज्ञात अज्ञात महिलाओं का श्राद्ध संपन्न कराया गया, ताकि दूसरे समाजों में महिलाओं को धार्मिक अनुष्ठानों में प्रोत्साहन मिल सके. कार्यक्रम में महादेव घाट परिक्षेत्र अध्यक्ष रत्ना शर्मा, शिखा शर्मा, सुधा शर्मा, शारदा मिश्रा, सुनंदा दुबे, सविता दुबे, पुष्पा पांडे, धनेश्वरी दुबे, मनीषा मिश्रा, शशि पांडे, परी शर्मा, नीतीश शुक्ला, शुभम शर्मा सहित पदाधिकारी शामिल थे।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकार से सम्मानित हुई पूनम जोशी

शासकीय प्राथमिक शाला मनेरी में पदस्थ हैं पूनम जोशी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को माननीय गजेंद्र यादव जी के आतिथ्य एवं दुर्ग के सांसद माननीय विजय बघेल जी गरिमामय उपास्थि व संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय जी के मौजूदगी में संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग संभाग दुर्ग के द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक शाला मनेरी में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती पूनम जोशी जी को मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2025 उत्कृष्ट प्रधान पाठक से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण2025 के सम्मान समारोह में पधारे स्कूल शिक्षा मंत्री माननीय श्री गजेंद्र यादव जी सांसद माननीय श्री विजय बघेल जी मंचासीन अतिथि के बीच माननीय श्री हेंमत उपाध्याय

जी संयुक्त संचालक शिक्षा दुर्ग ने अपने करकमलों से श्रीमती पूनम जोशी जी को उत्कृष्ट प्रधान पाठक का मोमेंटो भेंटकर एवं प्रमाण - पत्र देकर सम्मानित किया। गौरतलब हो कि विशिष्ट प्रतिभा सम्मान शिक्षक के रुप में समाज की बहूमूल्य सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण से 2025 से सम्मान के बाद मनेरी स्कूल पहुंचने पर श्रीमती पूनम जोशी को मिली बधाइयां

मनेरी स्कूल के समन्वयक नीलमणी साहू व अन्य शिक्षकों ने कहा कि इस सम्मान के लिए श्रीमती पूनम जोशी को चूने जाने पर हम उनकी सरहाना करते हैं।यह सम्मान उनकी मेहनत और शिक्षा के प्रति उनका सर्मपण है। शासकीय प्राथमिक शाला मनेरी ब्लाक डोंगरगांव के इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधान पाठक भवर लाल देवांगन, संकुल समन्वयक नीलमनी साहू, प्राचार्य श्री एआर साहू, भुनेश्वरी कोर्राम, खेमलता खरे, विनोद शर्मा, सरस्वती सिन्हा, सुमन यादव ,ईश्वर जोशी, विकाश खंड शिक्षा अधिकारी आर पात्रे, सहायक वि.ख. शिक्षा अधिकारी शितिज सोरी, जयंत साहू , बी आर सी अरविन्द रत्नाकर, बोरिकर जी, नीता साहू, मोनिका चंद्राकर, मनीषा घरदे, पूनम द्विवेदी, विकाश कुंजाम, मेश्राम सर, मनराखन देवांगन, जागृत साहू, अरुणढ़ती रत्नाकर, आदि ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामनाएं की है। - श्रीमती पूनम जोशी का बयान श्रीमती पूनम जोशी ने इस सम्मान के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री जी एवं शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

हिरण प्रजाति वन्यजीव के मांस की तस्करी करते चार आरोपी गिरफ्तार

मामला - वनांचल ग्राम खोलार घाट का

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। ब्लॉक के वनांचल ग्राम खोलारघाट के जंगल से वन्यजीव तस्करों के द्वारा हिरण को मार शिकार कर उसका मांस बेचने का मामला सामने आया है। डोंगरगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत चौथना के आश्रित ग्राम खोलारघाट से वन्यजीव तस्करी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वन

विभाग की टीम ने हिरण का शिकार कर उसका मांस तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम जे. डिनायल, नीलू फ्रांसिस, विशाल नंदेश्वर और विश्वनाथ बताए गए हैं। बीती रात गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाई के दौरान वन विभाग ने आरोपियों का पीछा किया। पकड़े जाने के डर से उन्होंने हिरण का मांस एक ग्रामीण के घर में फेंक दिया, लेकिन विभाग की टीम की सतर्कता से चारों को मौके पर ही धर दबोचा गया। विभाग ने मांस और परिवहन में प्रयुक्त बाइक जब्त कर ली है। हिरण का पोस्टमार्टम कराकर उसका अंतिम संस्कार भी कराया गया।

रसूखदारों तक पहुंच सकती है जांच

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। लेकिन सूत्रों की मानें तो यह पूरा नेटवर्क सिर्फ इन्हीं चार आरोपियों तक सीमित नहीं है। इस अवैध कारोबार में शहर के कुछ रसूखदार और प्रभावशाली लोगों के नाम भी जुड़ सकते हैं। इसी मामले की जांच के बीच आज सुबह एसडीओ फॉरेस्ट कार्यालय में दो वनकर्मी आपस में भिड़ गए। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यह झगड़ा कार्यप्रणाली और खानापूर्ति को लेकर हुआ। ऐसे संवेदनशील मामले में विभागीय कलह ने कार्रवाई की गंभीरता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। डोंगरगढ़ वन विभाग की यह कार्रवाई निश्चित रूप से बड़ी सफलता है, लेकिन अब सबसे अहम सवाल यही है कि क्या विभाग उन असली सरगनाओं तक भी पहुंचेगा जो परदे के पीछे से इस पूरे नेटवर्क को चला रहे हैं? या फिर यह मामला सिर्फ चार गिरफ्तारियों तक ही सीमित रह जाएगा? विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि अगर जांच ईमानदारी और दबाव से मुक्त होकर आगे बढ़ी, तो आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़े कई और बड़े नामों का पर्दाफाश हो सकता है।

nandgaon times sep-16-3.qxd 9/15/2025 11:54 PM Page 2

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारीयो की लंबित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर एस डी एम को ज्ञापन सौंपा

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ के कृषि विभाग में कार्यरत ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारीयो और कृषि विकास अधिकारियों की 9 सूत्रीय लंबित मांगो की पूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ कृषि शासकीय कृषि अधिकारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर शासन के ध्यानाकर्षण करते हुए 8, ओर 9 सितंबर को समस्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारीयो एवं कृषि विभाग अधिकारी द्वारा काली पट्टी लगाकर कार्य निष्पादन किया गया परन्तु आज तक सभी मांग लंबित हैं सभी लोग विरोध कर 15 सितंबर से संघ के सभी सदस्यों द्वारा बिना संसाधन भत्ता के ऑनलाइन कार्यों का निष्पादन नहीं किया जाएगा डोंगरगांव कृषि विभाग के सभी अधिकारियों के द्वारा डोंगरगांव एस डी एम श्रीकांत कोराम को 9 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन सौंपते समयग्रामीण कृषि विस्तार विभाग के अधिकारी और अध्यक्ष ऋषि पटेल, उपाध्यक्ष डूमेश्वर मिश्रा, कोषाध्यक्ष शेखर हिरवानी, सचिव प्रसन्नजीत बसोड़, मीडिया प्रभारी डोमेश्वर साहू , विशेष सलाहकार सतीश नेवरा, उद्यान विस्तार अधिकारी भूमिका साहू एवं डोंगरगांव विकासखंड के समस्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी शामिल हुए थे।

प्राथमिक शाला सलटिकरी में शिक्षक ने अपनी पत्नी के जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय प्राथमिक शाला सलटिकरी के शिक्षक राजेन्द्र साहू ने अपनी पत्नी ऐश्वर्या साहू के जन्मदिन पर शाला परिसर में 11 छायादार और फलदार पेड़ लगाएं गए। पेड़ लगाओ कार्यक्रम में प्रधानपाठक भीलेश्वर सिंह कामडी, शिक्षक राकेश वर्मा ,राजेन्द्र सहू उपस्थित थे।

तालाब(डबरी) टैंक में डूबने से मौत, वृद्ध पिता को मिलेगा 4 लाख का मुआवजा.

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। तालाब (डबरी) में डूबने से मौत के मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए मृतक के पिता को तीन माह के भीतर चार लाख मुआवजा दिलाने का आदेश दिया है। मामला उस समय का है जब याचिकाकर्ता के पुत्र सुरेश मंडावी की तालाब (डबरी) में डूबने से मौत हो गई थी। घटना की जानकारी पुलिस को मिलने पर मर्ग कायम किया गया, जांच की गई और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि युवक की मृत्यु पानी में डूबने से हुई थी। मुआवज़ा आवेदन पेश किया गया. तहसीलदार और एसडीओ ने मृतक के पिता को चार लाख रुपये मुआवज़ा दिए जाने की अनुशंसा भी की थी, लेकिन बाद में आवेदन को जिला कलेक्टर द्वारा मिर्गी होने का कारण मानते हुए मुआवज़ा खारिज कर दिया। इसके पश्चात उच्च न्यायालय अधिवक्ता विवेक महोबिया ने उक्त प्रकरण को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर में संस्थित किया, जिसकी सुनवाई एकल पीठ के माननीय न्यायाधिपति जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा ने की। अधिवक्ता पराग कोटेचा ने अपने तर्क के दौरान कहा कि उक्त घटना के दौरान कोई प्रत्यक्ष साक्षी मौजूद नहीं था। न्यायालय द्वारा संपूर्ण परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए आवेदक को तीन माह के भीतर चार लाख रुपए देने का आदेश पारित किया गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव, (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202509092100010
अ/6 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक मजहर खान आ. स्व. अनवर खान, उम्र 42 वर्ष. जाति-मुसलमान निवासी ग्राम राका, पो मुरमुन्दा, थाना व तहसील डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगाव (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के एकल स्वामित्व एवं आधिपत्य भूमि मकान नजूल शहर पुराना मोटर स्टैंड डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) में स्थित है। जिसका विवरण शीट क्रमांक 2 प्लॉट नं. 941/11 क्षेत्रफल 625 वर्गफुट / 58.06 वर्गमीटर भू-भाटक 1.75 रू. है। राजस्व अभिलेख में अनावेदक का नाम दर्ज है। अनावेदक अपने उक्त एकल भूमि स्वामी आधिपत्य की भूमि मकान को आवेदक को दिनांक 05/08/2025 को विक्रय मूल्यवान 11,10,000/- (ग्यारह लाख दस हजार रू.) विक्रय कर आवेदक से संपूर्ण प्रतिफल प्राप्त कर दिनांक 05/08/2025 को अनावेदक उक्त भूमि मकान का पंजीयत विक्रय पत्र आवेदक के पक्ष में उपपंजीयक कार्यालय डोंगरगढ़ में निष्पादित कर दिया और उक्त भूमि मकान का आधिपत्य आवेदक को सौप दिया हैं। अब अनावेदक का उक्त भूमि मकान से हक अधिकार समाप्त हो गया है तथा आवेदक उक्त भूमि का भूमि स्वामी एवं आधिपत्यधारी है। अतः उक्त भूमि मकान के राजस्व अभिलेख से अनावेदक का नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दर्ज किया जावे। नजूल शहर पुराना मोटर स्टैंड डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) में स्थित भूमि/मकान शीट क्रमांक 2 प्लॉट नं. 941/11 क्षेत्रफल 625 वर्गफुट / 58.06 वर्गमीटर भू-भाटक 1.75 रू. के राजस्व अभिलेख में मेंटनेंस खसरे को अनावेदक मोहम्मद जुम्मन का नाम विलोपित कर आवेदक मजहर खान का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

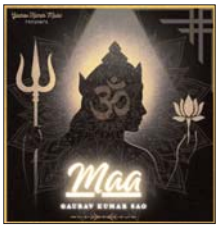

अतएव उक्त भूमि के नामांतरण किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 13/10/2025 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते है, नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 11/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
डोंगरगढ़ (छ.ग.)

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर जिले में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान चलाया जाएगा। अभियान अंतर्गत प्रत्येक आयु वर्ग की महिलाओं का विशेष रूप से स्वास्थ्य जांच एवं इलाज के साथ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कर परिवार एवं समाज में महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के मार्गदर्शन में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई है।

शुभांक

6-7-8

667-9 478-9

भाग्यांक

177-5 245-1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (वि./ यां.) खंड लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग राजनांदगांव (छ.ग.)

इस कार्यालय की निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 04/2025-26 दिनांक 08.08.2025 के द्वारा जिला राजनांदगांव के अन्तर्गत विभागीय रिंग मशीन में निम्न कार्य Rejuvenation of old departmental D.T.H. rig (LMP-2) and remounting all old equipments on departmental new Ashok Leyland 1920 truck (20 feet chassis) with necessary modification, repairs, fabrications and refurbishing for construction of 150 meters borewells by DTH method, including installation trial and testing as per details technical specification given in scope of work (Annexure-B) (rates may clearly be quoted with all taxes, charges and labour charges) अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता (वि./ यां.)
खंड लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
राजनांदगांव (छ.ग.)

जी- 252603485/2.

नवरात्रि पर जगदलपुर के गायक-गीतकार गौरव कुमार साव का नया भक्ति गीत माँ रिलीज होगा

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। नवरात्रि के पावन अवसर पर जगदलपुर के युवा गायक-गीतकार गौरव कुमार साव अपना नया भक्ति गीत च्माँज् रिलीज़ करने जा रहे हैं। यह गीत पूरी तरह माँ दुर्गा की स्तुति को समर्पित है और इसे श्रद्धा तथा आस्था की गहराई से प्रस्तुत किया गया है।

गौरव कुमार साव कहते हैं- मेरे लिए गाने केवल शब्द और धुन नहीं हैं, बल्कि यह मेरी ज़िंदगी की भावनाओं का आईना हैं। मेरा मानना है कि सच्चा संगीत वही है, जो दिल से निकले और दिल तक पहुँचे। नवरात्रि पर च्माँज् गीत को माँ दुर्गा को समर्पित करना मेरे लिए आस्था और श्रद्धा का विशेष क्षण है। वे आगे बताते हैं कि माँ दुर्गा उनकी कुलदेवी हैं, और इसी कारण यह गीत उनके लिए जीवन का सबसे अनमोल क्षण है। गौरव का कहना है । मैं चाहता हूँ कि यह गीत लोगों को भक्ति की ऊर्जा और सकारात्मकता का अनुभव कराए। अगर श्रोताओं को सुनकर थोड़ी भी शांति और प्रेरणा मिले, तो यही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। इस गीत का संगीत प्रोडक्शन अवि पटेल ने किया है, जिन्होंने हाल ही में मशहूर गायक बी प्राक के साथ फिल्म बागी 4 में गीत प्रस्तुत किया था। अवि पटेल के संगीत संयोजन ने च्माँज् गीत को और भी भव्य और भावपूर्ण बना दिया है। गौरव कुमार साव ने इस साल अब तक 6 ओरिजिनल गीत रिलीज़ किए हैं, और च्माँज् उनका इस साल का 7वां गीत होगा। उनके सभी गाने अलग-अलग जॉनर में रहे हैं—कहीं स्लो रोमांटिक मेलोडी, कहीं फास्ट बीट, तो कहीं मॉडर्न श्वष्ठरू ट्रैक। हर बार वे श्रोताओं को एक नई संगीत यात्रा का अनुभव कराते हैं। नवरात्रि पर पहली बार वे भक्ति गीत लेकर आ रहे हैं, जो उनके संगीत सफर में एक नया अध्याय जोड़ता है। यह गीत गौरव कुमार साव के अपने म्यूजिक लेबल के जरिए रिलीज़ किया जाएगा। भक्ति गीत माँज 22 सितंबर को रिलीज़ होगा और 21 सितंबर की रात 12 बजे से सभी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स पर लाइव हो जाएगा। यह गीत श्रोताओं को देवी दुर्गा की शक्ति और भक्ति का गहरा अनुभव कराएगा।

कबीरधाम जिले के 11 परिवारों ने बढ़ाया प्रधानमंत्री सूर्यघर मुक्त बिजली योजना की ओर कदम

आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा, कबीरधाम जिले से शुरू हुई ऊर्जा क्रांति की कहानी

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने कबीरधाम जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोली है। जिले के 11 परिवारों ने अपने घरों पर सोलर रूफ्टॉप प्लांट स्थापित कर यह बता रहे है कि यह योजना केवल बिजली बिल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण की जनआंदोलन जैसी पहल कम नही है। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप कबीरधाम कलेक्टर के मार्गदर्शन में योजना का क्रियान्वयन तेज रफ्तार से हो रहा है। अब तक जिले में 94 से अधिक हितग्राही वेंडर का चयन कर चुके हैं और कई को सब्सिडी राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। आने वाले महीनों में हजारों परिवार इस योजना से जुड़ने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। कबीरधाम जिले के 11 परिवार जिन्होंने योजना को अपनाया है, उसमें योगेन्द्र सिंह कश्यप (राजमहल चौक, कवर्धा), नरेश कुमार चंद्रवंशी एवं रितेश कुमार चंद्रवंशी (दौजरी), सतीश कुमार धवलकर (मठपारा वार्ड-3),श्रीमती लीना तिवारी (मठपारा वार्ड-12), रोशन राम (नागर जवादन रोड), कुमारी देवी सोम (श्याम नगर),ओंकार साहू (रामनगर), श्रीमती सरोज बाई ठाकुर, श्रीमती माधुरी (कालिका नगर) इन परिवारों की छतों पर लगाए गए 1 से 3 किलोवाट क्षमता वाले सोलर पैनल प्रतिमाह लगभग 300 यूनिट मुफ्त बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अतिरिक्त बिजली को सीएसपीडीसीएल ग्रिड में भेजकर वे भविष्य के बिलों में क्रेडिट का लाभ ले रहे हैं।

नवरात्र पर्व को लेकर कबीरधाम पुलिस और दुर्गा समितियों की बैठक संपन्न

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले की विभिन्न दुर्गा समितियों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस, एसडीओपी , डीएसपी , थाना प्रभारी सहित दुर्गा समितियों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक का उद्देश्य नवरात्र पर्व को शांति, सौहार्द्र एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नवरात्र पर्व हमारी संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसे परंपरागत गरिमा और शांति के साथ मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने समिति पदाधिकारियों से कहा कि पंडालों और झांकियों में सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग केवल निर्धारित समय सीमा और ध्वनि स्तर के भीतर हो। रात्रि 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार का डीजे या धुमाल संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने समितियों को निर्देशित किया कि पंडालों में विद्युत कनेक्शन सुरक्षित तरीके से लगाए जाएं, आगजनी से बचाव के उपाय और सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था सुनिश्चित हो। साथ ही यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। बड़े आयोजनों की पूर्व सूचना पुलिस एवं प्रशासन को देना भी आवश्यक बताया गया।

बारिश का कहर ,खेत खलीयान के साथ मेनरोड से 5 फीट ऊपर बहा पानी, राहगीरों को हुई परेशानी

डोंगरगाँव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम बीरुटोला मे रविवार को रात्रि मे हुई अचानक तेज बारिश और गर्जना से मेनरोड से 5 फीट ऊपर बहने लगा , पानी सुबह से ही इस बारिश से मेनरोड पर बह रहा है जिससे आवागमन में श्रेत्र के ग्रामीणों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है अचानक हुई बारिश से बधित इस पानी के कारण स्कूल कालेजों के साथ साथ इस श्रेत्र में काम मे आने आने और शिक्षकों तथा स्कूली बच्चों को आने जाने समस्या उत्पन्न हुई है बारिश के पानी का बहाव तेज गति से चल रहा है ग्राम बीरूटोला के नवयुवको ने इस दौरान जरूरतमंदो को आने जाने वाले राहगीरो को तेज पानी के बहते हुए पानी से रास्ता पार करवाया गया ,इस दौरान सभी ग्राम के नवयुवको ने लोगो को रास्ता पार करवाने मे मदद किया गया इनके अलावा स्कूल जाने वाले शिक्षकों के साथ स्कूली बच्चों को रास्ता पार करवाया गया , संध्या , देर रात तक लोगो को रास्ता पार करवाने युवा डटे रहे इस सहयोग मे ग्राम के योगेश पटेल, अखिलेश, कुमेश, अन्नु,तुषार, डेविड, आशीष, करण अमन , अमित नांदेश्वर ने सहयोग कर मानवता का परिचय दिया है।

दिग्विजय महाविद्यालय के रसायन शास्त्री डॉ डाकेश्वर वर्मा छत्तीसगढ़ शासन के औषधिय पादप बोर्ड के तकनीकी सलाहकार नियुक्त

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय औषधिय पादप बोर्ड, रायपुर मे शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक*डॉ. डाकेश्वर कुमार. वर्मा* को बोर्ड का *तकनीकी सलाहकार* नियुक्त किया गया है जिसकी आधिकारिक पुष्टि पादप बोर्ड रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राव सर ने दी। डॉ. वर्मा औषधीय पौधों एवं प्राकृतिक औषध विज्ञान के क्षेत्र में लंबे समय से अनुसंधान एवं शिक्षण कार्य कर रहे हैं जिनके कारण उनको यहाँ महती जिम्मेदारी मिली है। इसके साथ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रो मे परंपरागत प्राकृतिक पद्धति से कई असाध्य रोगों का इलाज करने वाले वैद्य एवं आयुर्वेदाचार्यो के ज्ञान को वैज्ञानिक तरीके से साबित करने की जिम्मेदारी भी डॉ वर्मा की होगी 7 डॉ. वर्मा की नियुक्ति से प्रदेश में औषधीय पौधों पर आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक गति मिलेगी। उनके अनुभव से राज्य के कृषकों, वनवासी भाइयों एवं आयुर्वेदिक/औषधीय उद्योगों को लाभान्वित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

धार्मिक आस्था के साथ पारम्परिक एवं सामाजिक तरीके से होनी चाहिए गरबा व अन्य आयोजन : पुलिस अधीक्षक

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग ने क्वांर नवरात्रि पर्व के संबंध में दुर्गा उत्सव समितियों की बैठक ली। पुलिस अधीक्षक श्री गर्ग ने कहा कि संस्कारधानी के नाम से राजनांदगांव को जाना जाता है, इसके अनुरूप दुर्गा उत्सव समितियों को पारंपरिक एवं धार्मिक तरीके से गरबा व अन्य कार्यक्रमों को आयोजित करने कहा। उन्होंने कहा कि शहर हमारा है और शहर की छवि बनाए रखना हमसब की जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक ने समितियों से कहा कि ऐसा कार्य करें, जिससे अन्य लोगों को तकलीफ एवं दिक्कत नहीं होनी चाहिए। दुर्गा पंडाल के कारण किसी भी सड़क में आवागमन बाधित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्गा पंडाल ऐसे स्थानों पर लगाए जिससे नगरवासियों और नगर में आने वाले नागरिकों को किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। एम्बुलेंस, फायर बिग्रेड, आपातकाल सेवाओं सहित अन्य सेवाएं बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गरबा तथा अन्य कार्यक्रम के आयोजन के लिए साउंड सिस्टम का उपयोग निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप रात्रि 10 बजे तक कर सकते हैं। उन्होंने निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप ही साउंड सिस्टम संचालित करने कहा। उन्होंने गरबा एवं अन्य आयोजनों में धार्मिक आस्था रखते हुए सभ्यता, पारंपरिक और सामाजिक तरीके से कार्यक्रम आयोजित करने कहा। उन्होंने दुर्गा समितियों को पंडालों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से पर्याप्त मात्रा में लाईटिंग, सीसीटीवी और वालिंटियर्स लगाने कहा। जिससे सारी व्यवस्था अच्छे से हो सके। पंडालों के आसपास साफ-सफाई और पर्याप्त मात्रा में डस्टबीन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की टीम द्वारा लगातार शहर में पेट्रोलिंग की जाएगी। कोई भी समस्या होने पर 112 नंबर पर सूचना दे सकते हैं। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन सहित दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगर पालिका अध्यक्ष ने गौमाता का पूजा कर, नगर पालिका में कराया प्रवेश

गौमाता को लेकर सड़को पर प्रदर्शन करना उचित नही

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। कवर्धा-नगर पालिका परिषद कवर्धा कार्यालय के सामने गाय माता को लाकर, गाय सड़को पर है इस आशय का प्रदर्शन किया जा रहा था । कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चन्द्रवंशी व शहर के सभी पार्षदगणों ने इस अवसर पर आगे बढ़कर गौ माता का आरती उतारकर, भोजन कराकर नगर पालिका में प्रवेश कराया। उन्होंने कहा गाय हमारी माता है यदि नगर पालिका के द्वार तक स्वयं से आए या फिर गाय को पकड़कर पालिका तक लाए हम स्वागत ही करेंगे। नगर पालिका अपने क्षमता के अनुरूप 200 से अधिक गायों का स्वर्ण जयंती गौशाला में सरक्षण कर रही है । रही बात शहर में गायों की संख्या को लेकर है तो इसमें अधिकतर गायों को गौ पालक शहर में लाकर छोड़ जाते है जिसके कारण यह स्थिति निर्मित है गाय समस्या नहीं है समस्या हम उसे बना रहे है सड़को पर छोड़ कर। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि जो भी गौ पालक है वे अपने गायों को अपने घरों में सेवा करें, सड़क में छोड़ना गौ माता के साथ अन्याय है। छत्तीसगढ़ सरकार ने गो धाम योजना के तहत समाज के साथ जुड़कर गो संरक्षण के दिशा में आगे बढ़ रही है । गायों को पालिका लेकर आए थे उतने लोग सिर्फ 2-2 गाय अपने साथ ले जाते तो निश्चित गाय माता की सेवा हो जाती है उन्होनें कहा कि गाय के पीछे राजनीति करनी थी सभी गायों को छोड़कर शहर में चले गए। ऐसे लोगो के कारण बाहर की गाय शहर की सड़को पर दिख रही है । गोधन योजना सभी के लिए है जिन्हें भी गौ सेवा करनी है सरकार उनके साथ खड़ी है पर गौ माता की सेवा सामाजिक जागरूकता से ही होगी। हम सबको जागरूक होने की संवेदनशील होने की जरूरत है गाय राजनीति का विषय नहीं है यह हमारी सनातन संस्कृति के आत्मा से जुड़ी हुई विषय है उन्हें हो रहे कष्ट के लिए हम सब जिम्मेदार है हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग रहे है इसलिए हमने गौ माता का सहर्ष स्वागत किया पूजा किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगाँव (छ.ग.)
!! ईश्तहार !!

रा.प्र.क. 202507092300007 ब-121 वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक संतोष यादव पिता गौतरिहा यादव जाति राऊत निवासी ग्राम बसंतपुर तहसील डोंगरगढ़ द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि अपने स्वयं का दिनांक 10.09.2002 को ग्राम बसंतपुर में जन्म हुआ था जिसका ग्राम पंचायत के जन्म/मृत्यु पंजी में दर्ज नही कराया गया है। आवेदक द्वारा अपने स्वयं का दिनांक 10.09.2002 को ग्राम पंचायत बसंतपुर में जन्म दर्ज कराने बाबत् आवेदन पत्र, अनुलब्धता प्रमाण पत्र की प्रति पेश कर जन्म प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति पेशी दिनांक 17/09/2025 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दाया आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 22/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

सील

नायब तहसीलदार
डोंगरगढ़

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202508092200011

सनः- 2024-2025
मामले की श्रेणीः- राजस्व
विषयः- ब-121
अण्डी प.ह.न. 00028 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार -गिरीश कुमार निषाद,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गिरीश कुमार निषाद आ. टिकम निषाद जाति कैवट सा. अंडी तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के स्वयं गिरीश कुमार निषाद आ. टिकम निषाद का जन्म दिनांक 01.07.2006 को अंडी में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 26.09.2025 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/09/2025 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार
डोंगरगढ़

nandgaon times sep-16-3.qxd 9/15/2025 11:54 PM Page 3

ज्ञान मंथन

1) माताबेरी पेरा और पचरा, जिन्हें हाल ही में जीआई टैग मिला है, किस राज्य से संबंधित हैं?
2) हाल ही में खबरों में देखे गए होकेसर वेटलैंड का कौन से राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में स्थित है?
3) राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस अवार्ड्स योजना के लिए नोडल मंत्रालय कौन सा है?
4) 1980 में भारत में कितने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था?
5) हाल ही में दिवंगत हुए राजगोपाल चिदंबरम किस क्षेत्र से जुड़े थे?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) त्रिपुरा (2) जम्मू और कश्मीर (3) कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय (4) 6 (5) नाभिकीय भौतिकी

गायत्री विद्या मंदिर में हिन्दी सम्मान में संगोष्ठी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी शिक्षण संस्थान गायत्री विद्या मंदिर (हिन्दी माध्यम) कंचनबाग

राजनांदगांव में हिन्दी के सम्मान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राज्यपाल सम्मान से सम्मानित प्राचार्य डॉ. शोभा श्रीवास्तव एवं डॉ. श्रीमती नीलम तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री अंकित व्यास के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। शाला की उपप्राचार्य श्रीमती तामेश्वरी साहू ने साहित्यकारों के हिन्दी में योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने हिन्दी के क्रमबद्ध विकास पर प्रकाश डाला। शाला की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती दुर्गा दुबे ने स्वामी विवेकानंद जी अपनी मातृभाषा से प्रेम को एक प्रसंग के माध्यम से सबके बीच रखा। श्रीमती रमा तिवारी ने हिन्दी को अपनी संस्कृति और संस्कार से जोड़ा। सुश्री नैनी शुक्ला ने कहा कि हिन्दी एक वैज्ञानिक भाषा है इसके सही उच्चारण से तोतलापन दूर हो जाता है। श्रीमती ममता देवांगन मैडम ने कहा कि हिन्दी हमें अपनत्व का एहसास कराती है। श्रीमती चेतना साहू मैडम ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से हिन्दी भाषा का गौरवगान किया। श्रीमती वीणा स्वर्णकार मैडम ने कहा कि हम हिन्दी भाषा को आगे बढ़ाने संकल्पित रहेंगे। गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री बृजकिशोर सुरजन जी ने कहा कि मैं आप सबको हिन्दी दिवस एवं इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी की बधाई देता हूँ। हम हिन्दी एवं हिन्दी माध्यम स्कूल को आगे बढ़ाने सतत प्रयत्नशील है।

निधन

नवल किशोर वर्मा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। श्री नवल किशोर वर्मा आत्मज स्वर्गीय श्री रामकृष्ण वर्मा का 55 वर्ष की आयु में दिनांक 15.09.2025 को हृदयघात से दुखद निधन हो गया है। दिवंगत पुण्यात्मा की अंतिम यात्रा स्थानीय महेश नगर स्थित निज निवास से मठपारा मुक्तिधाम के लिये दिनांक 15.09.2025 की शाम 4 बजे रवाना हुई जिसमें परिजनों, इष्टमित्रों के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुगण उपस्थित रहे। दिवंगत पुण्यात्मा स्वर्गीय श्री रामकृष्ण वर्मा के ज्येष्ठ पुत्र एवं व्यवसायी कमल, कृष्णा एवं गिरीश वर्मा के ज्येष्ठ भ्राता, दो पुत्री रौनक एवं प्रतिभा के पिता थे, जो अपने पीछे एक भरापूरा परिवार छोड़ गए है।

प्रतियोगिताओं में महिलाओं एवं बच्चों की भारी भीड़ में विशेष रुचि देखी गई

सैकड़ो की संख्या में पर्यावरण प्रेमी रहे उपस्थित, प्रेरणादायक पहल की सरहाना प्रतियोगिताओं का शुल्क किसी भी पेड़ पौधे का एक बीज

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के एक दिवसीय पर्यावरण कार्यशाला आयोजित की गई पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के जिला एनजीओ प्रमुख सौरभ खंडेलवाल एवं जिला सहसंयोजक सूरज गुप्ता व नगर एनजीओ प्रमुख विनय साहू ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के जिला संयोजक मयंक शर्मा के कुशल नेतृत्व में एवं शहर संयोजक निकुंज सिंघल की कर्तव्य परायणता लगन व, नगर नारी शक्ति प्रमुख मौसमी शर्मा की कार्य कुशलता व नगर संयोजक राजकुमार चौरसिया पानी आयाम प्रमुख की अतिथियों द्वारा सहर्ष सरहाना की गई कार्यक्रम स्थल को पेड़ पौधे की हरियाली से युक्त एवं ईकोब्रिक्स की बोतलों से सुंदर सजाया गया प्रातः 10:30 बजे औषधि युक्त पौधे का पूजन करते हुए नगर कचरा प्रबंधन प्रमुख राकेश साहू द्वारा शुमधुर गीत की प्रस्तुति के साथ एक दिवसीय पर्यावरण कार्यशाला प्रारंभ हुई कार्यशाला का उद्देश्य जल जंगल जमीन पेड़ पानी पॉलिथीन, ईकोब्रिक्स पर पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न आयामो पर रहा मुख्य अतिथि जल आयाम के मुख्य वक्ता अनुज नॉर्दर्न दुर्ग द्वारा अपने उद्बोधन से उपस्थित पर्यावरण प्रेमी जनों में एक नई क्रांति का संचार पर्यावरण सजगता के प्रति किया जल संचय के विषय में उन्होंने अनेक वृतांत बताएं और आगे कहा की वृक्षों के संरक्षण में सर्वप्रथम बलिदान देने वाली अमृता देवी के बलिदान को याद करते हुए उपस्थित जन भाव विभोर हो गए जैव विविधता पर कमला कॉलेज के प्राचार्य ओंकार लाल श्रीवास्तव ने कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है प्रकृति के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना असंभव है उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के पेड़ पौधों की उपयोगिता के बारे में विस्तार से

बताया पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के संरक्षक पूर्व सांसद प्रदीप गांधी ने अपने उद्बोधन में कहा की हमने विभिन्न गांव में ग्रामीण जनों की सहभागिता से अनेक तालाबों का संरक्षण किया पर्यावरण प्रेम एकता और संकल्प सिद्धि से पर्यावरण को सहेज कर उसकी सुंदरता को बढ़ावा देना होगा वकाओं में पर्यावरण विभाग प्रमुख मनोहर लालचंदेल ने कहा कि जल जंगल जमीन पॉलिथीन पर आज एक दिवसीय विस्तृत कार्यशाला में आप सभी श्रोताओं की भूमिका पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी विशेष अतिथि नगर के एस एल आर केंद्र प्रमुख प्रेमा सोनकर दीदी ने अपनी स्वच्छता मित्र दीदियों की कचरा संग्रहण के प्रति सजगता और उनकी कर्तव्य परायणता को नमन करते हुए संस्कारधानी नगरवासियों से विशेष सहयोग का निवेदन किया साथ ही प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत कैलाश धाम महिला शक्ति समिति शांति नगर की दीदीयो के वर्तन बैंक के समूह को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था उपस्थित सभी अतिथियों का सम्मान प्रतीक चिन्ह मोमेंटो भेंट कर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के आयोजको द्वारा किया गया संस्कारधानी नगर नरेंद्र कोटडिया , राकेश ईंदूभूषण ठाकुर, हरीश गांधी , पंकज गुप्ता ,संध्या सिंघल, , किरण अग्रवाल , अंशिता सिंघल , एवं नगर के अन्य गणमान्य नागरिक प्रेरणादायक पहल प्रतियोगिताओं का शुल्क किसी भी पेड़ पौधे का एक बीज देना होगा को अतिथियों ने सरहानीय कहा दोनों प्रतियोगिताओं में बहुतायात में प्रतिभागी सम्मिलित हुए महिलाओं के लिए गमला सजाओ प्रतियोगिता वेस्ट से बेस्ट में प्रथम विजेता पिंकी महेश्वरी, द्वितीय अवनी बंसल, तृतीय मानस चौरसिया,, बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता के प्रथम विजेता आरोही अग्रवाल, द्वितीय दीपल चौरसिया, तृतीय सुकृति बक्शी एवं सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र से पुरस्कार प्रदान किए हैं विशेष पर्यावरण प्रहरी मित्र सम्मान आंकिता यादव को प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा के संबंध में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक के कार्यक्रम की रूपरेखा

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी मंडल डोंगरगांव के द्वारा स्थानीय यादव भवन में आगामी कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा के संबंध में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक के कार्यक्रम की रूपरेखा जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में की गई जिसमें जिला से आए राजेंद्र गोलछा महेश खंडेलवाल व दिनेश गांधी ने अपनी अपनी बात रखी व आने वाले सेवा पखवाड़े को कैसे बेहतर तरीके से मनाया जा सकता है इसके संबंध में चर्चा की गई उक्त कार्यक्रम में लक्ष्मीनारायण गुप्ता रामकिशन महेश्वरी रामकुमार गुप्ता नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी जनपद पंचायत अध्यक्ष रंजीता पटौदी मंडल अध्यक्ष दिना पटेल हेमंत चोपड़ा डिकेश साहू संतोष यादव जनक साहू खेमूदास साहू यदुराम नायक लल्ला यदु प्रवेश ठाकुर, कोमल साहू, लक्ष्मी सेन, प्रवेश ठाकुर, चंद्रकुमार सोनकर सुनीता मालेकर दुर्गेश मालेकर केवल साहू ममता उइके के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता की उपस्थिति रही।

जनता के दुख पर राजनीति करने की आदी कांग्रेस - कोमल सिंह राजपूत

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। बजरंगपुर नवागांव की घटना पर राजनीति करने वाले कांग्रेस नेताओं पर भाजपा ने करारा हमला बोला है। भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि कांग्रेस की आदत बन चुकी है कि हर संवेदनशील घटना को अपने राजनीतिक फायदे के लिए भुनाए। कांग्रेस नेता भागवत साहू का बयान उनकी हताशा और बौखलाहट को दर्शाता है। राजपूत ने कहा कि कांग्रेस बार.बार यह भूल जाती है कि जनता ने उसे सत्ता से बाहर क्यों किया था। भ्रष्टाचार कुशासन और परिवारवाद की राजनीति ने कांग्रेस को देश और प्रदेश की जनता के बीच बेनकाब कर दिया। कांग्रेस शासनकाल में इतना भ्रष्टाचार फैला कि आज भी उनके समय के आईएएस और आईपीएस अधिकारी जेल की सलाखों के पीछे हैं। यहां तक कि उस समय के मुख्यमंत्री का पुत्र भी जेल की सजा काट रहा है और उनके मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में जेल में बंद हैं। यही कांग्रेस का असली चेहरा है।भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि कांग्रेस बार.बार यह साबित कर रही है कि उसके पास आज भी रचनात्मक राजनीति का कोई विज़न नहीं है। हर घटना को अवसर बनाकर जनता को गुमराह करना यही कांग्रेस का काम है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सच में जनता के प्रति संवेदनशील होती तो अपने 55 वर्षों के शासनकाल में कानून व्यवस्था गरीबी और बेरोजगारी के मुद्दे हल कर चुकी होती। उन्होंने कहा कि अब जब भाजपा जनता की सेवा और विकास कार्यों में जुटी है तो कांग्रेस केवल झूठ और अफ्वाह फैलाकर अपनी राजनीतिक दुकानदारी चलाना चाहती है। जिनके नेताओं ने दशकों तक शासन में रहते हुए प्रदेश को अपराध नशाखोरी और भ्रष्टाचार की अंधेरी गलियों में धकेला आज वही भाजपा को कानून व्यवस्था का पाठ पढ़ाने निकले हैं। कांग्रेस के नेताओं को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। राजपूत ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को भाजपा पर उंगली उठाने से पहले यह याद रखना चाहिए कि उंगली की तीन धारियां उन्हीं की ओर होती हैं।

राज्यपाल पुरस्कार हेतु चयनित होने पर विद्यालय परिवार ने किया भव्य स्वागत

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलईरवार के व्याख्याता धनेश्वर कुमार साहू का सत्र 2025 -26 अर्थात 5 सितंबर 2026 के लिए राज्य शिक्षक सम्मान, राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयन किया गया हैं । राज्यपाल पुरस्कार की यह घोषणा 5 सितंबर 2025 को राजभवन रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय,राज्यपाल रामेन डेका की उपस्थिति में सहमति लेते हुए शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव जी के द्वारा किया गया । इस चयन के पश्चात विद्यालय आगमन पर हायर सेकंडरी विद्यालय परिवार तिलईरवार एवं सभी छात्र छात्राओं द्वारा धनेश्वर कुमार साहू का विद्यालय में ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत सम्मान किया गया । आपका शुरू से ही बच्चों एवं पालकों से विशेष जुड़ाव रहा है । गांव का हर बच्चा-बच्चा से लेकर सियान तक आपकी पहचान है । आप शुरू से ही बच्चों की पढ़ाई में विशेष रूचि रखते हैं । आप पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए गीत ,कविताओं के माध्यम से जोड़कर अध्यापन कार्य कराते हैं । आप कमजोर बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षा भी छुट्टी के पश्चात लेते हैं और उन्हें अच्छी पढ़ाई के लिए प्रतिदिन मोटिवेट और उनका हौसला हमेशा बढ़ाते रहते हैं । आप सभी छात्र-छात्राओं को घर में पढ़ाई के लिए कोना भी बनवाते हैं, उनका समय सारणी भी बनवाते हैं,उनका लक्ष्य निर्धारित भी करते हैं । आप बच्चों के पालकों से संपर्क कर बच्चों के पढ़ाई के लिए उन्हें जागरुक भी करते हैं । इसी का परिणाम है कि आपके विषयों का परीक्षा परिणाम हमेशा लगभग शत प्रतिशत रहता है । आप शाला त्यागी को शून्य करने के लिए विशेष अभियान भी चलाते हैं गांव में पालकों से संपर्क कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए हमेशा प्रेरित करते रहते हैं । इस कार्य हेतु आप हमेशा कोटवार ,सरपंच , पंचगणों , शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य गणों , ग्रामीण जनों को भी शामिल कर इस अभियान को चलाते हैं कि कोई भी छात्र या छात्रा पढ़ाई से वंचित न रहे । गांव में शौच मुक्त अभियान, साक्षरता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, जल संरक्षण , वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान , प्लास्टिक मुक्त हमारा देश अभियान , बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ अभियान , स्वच्छता अभियान ,बाल विवाह रोकने अभियान आदि कार्यक्रमों को आप प्रमुखता से करते रहते हैं और ग्रामीण जनों को जागरुक भी करते रहते हैं ।

संत कबीर के मानवता वादी विचारों से होगी शांती की स्थापना - संत प्रभाकर साहेब

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। यहाँ पदम श्री गोविन्दराम निर्मलकर आइडोरियम में जिला कबीर पंथ समाज के तत्वाधान में दो दिवसीय सदुरु कबीर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख कबीर पंथाचार्यों, सर्वधर्माचार्यों व विद्वानों द्वारा सदुरु कबीर साहेब के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला और कबीर की वाणी विचारों,आदर्शों, सिद्धान्तों ,उपदेशों को वर्तमान समय परिस्थितियों में सर्वाधिक प्रासंगिक व व्यावहारिक बताया। इस अवसर पर शिक्षा नगरी कोटा से पधारे मुख्य प्रवक्ता संत प्रभाकर साहेब ने कहा कि भारतीय संत परम्परा में सदुरु कबीर का विशिष्ट स्थान है। कबीर साहेब ने जाति पांत वर्ग भेद से ऊपर उठकर मानवता की बात की इसलिए वो सबके चहेते बने। संसार के झगडों को मिटाना है तो मानवता को जगाना होगा। मनुष्य को सम्मान देना होगा। आज वस्तुओं की कीमत बढी है लेकिन मनुष्य की कीमत घट रही है। प्रभाकर साहेब ने आगे कहा कि श्रृष्टि में मनुष्य को ही वाणी का वरदान प्राप्त है किंतु इसका उपयोग करना न आये तो यह अभिशाप बन जाती है, वाणी के गलत उपयोग के कारण तब ही नहीं अब भी महाभारत हो जाता है। ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए कबीर साहेब का सूत्र - वाणी एक अमोल है जो कोई बोले जान। हिय तराजू तोल के तब मुख बाहर आन। को अपनाना होगा। कबीर मठ नादिया के धर्माधिकारी सत्येंद्र साहेब ने कहा कि कबीर के विचारों से न केवल देश की एकता व अखण्डता को सुरक्षित रखा जाता सकता है बल्कि विश्व बंधुत्व की भावना को साकार करती है।

धर्म समाचार....

पितृ पक्ष 21 सितंबर तक : पितरों के लिए धूप-ध्यान करते समय अंगूठे की ओर जल क्यों चढ़ाते हैं

पितृ पक्ष पूर्वजों को याद करने और उनके लिए धर्म-कर्म करने का उत्सव है। घर-परिवार के मृत सदस्यों को पितर देव माना जाता है। पितृ पक्ष में इन्हें याद करते हुए धूप-ध्यान करने की परंपरा है। इन दिनों में पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान जैसे कर्म भी किए जाते हैं। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, पितृ पक्ष में तर्पण करते समय जल को सीधे हाथ की हथेली में लेकर अंगूठे की ओर से धीरे-धीरे पितरों को अर्पित किया जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है, क्योंकि हस्तरेखा ज्योतिष में अंगूठे और तर्जनी के मध्य भाग को पितृ तीर्थ माना गया है। यह भाग पितर देवताओं का निवास स्थान है। पितरों को अंगूठे की ओर से जल चढ़ाने का अर्थ ये है कि ये जल पितृ तीर्थ से होकर पितरों तक पहुंचता है, जिससे उन्हें तृप्ति मिलती है। पिंडदान करते समय जल अर्पित करना एक बेहद महत्वपूर्ण कर्म होता है। पं. शर्मा बताते हैं कि जल को पिंडों पर अंगूठे की मदद से धीरे-धीरे चढ़ाया जाना चाहिए। इससे पितरों को जल की भेंट स्नेहपूर्वक और श्रद्धा के साथ पहुंचती है। जीवित व्यक्ति को भोजन देते समय हथेली बाहर की ओर रहती है, लेकिन मृतक के लिए जल अर्पित करते समय जल अंगूठे की ओर से चढ़ाया जाता है और हाथ की हथेली को अंदर की ओर रखते हुए तर्पण किया जाता है। इसका एक और भी गहरा अर्थ है कि पितरों का स्थान अब इस भौतिक दुनिया में नहीं रहा, बल्कि वे दूसरी दुनिया में हैं। जल के माध्यम से हम उन्हें उनकी दूसरी दुनिया में तृप्त रहने का संकेत देते हैं।

21 सितंबर को है पितृ पक्ष की अमावस्या- पितृ पक्ष के दौरान जिन लोगों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, वे पितृ पक्ष की अमावस्या पर श्राद्ध कर सकते हैं। इस बार अमावस्या तिथि 21 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन विशेष पिंडदान और तर्पण कर पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जाती है।

पितृ पक्ष में इन बातों का ध्यान रखें?

पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म करने वाले व्यक्ति को कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो अधार्मिक कर्मों से बचना चाहिए। पितृ पक्ष एक पवित्र और आध्यात्मिक समय है, इसलिए इस दौरान सदाचार, धर्म और नैतिकता का पालन करना चाहिए। इसके अलावा पितृ पक्ष में पवित्र नदियों में स्नान करने की भी परंपरा है। यदि किसी कारणवश नदी में स्नान संभव न हो तो घर पर ही सभी तीर्थस्थलों और पवित्र नदियों का ध्यान करते हुए स्नान किया जाना चाहिए। पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं। स्नान के बाद दान-पुण्य करना चाहिए। दान में अनाज, धन या अन्य वस्तुएं दी जा सकती हैं। ये दान पुण्य को बढ़ाता है और परिवार में सुख-शांति का वातावरण बनाए रखता है। ऐसी मान्यता है।

मकर राशि वालों की चमकेगी तकदीर खुशियों से भर जाएगा जीवन

सुखों के कारक शुक्र देव का राशि परिवर्तन मकर समेत मीन राशि के जातकों पर शुभ प्रभाव डाल सकता है। सरल उपायों और शुक्र की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाकर आप सुख और समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में चलिए ऐस्ट्रोलिजर आनंद सागर पाठक जी से जानते हैं कि मकर कुंभ और मीन राशि वालों का कैसा रहने वाला है हाल।

शुक्र देव को कैसे प्रसन्न करें?

आनंद सागर पाठक, एस्ट्रोपत्री। सिंह राशि में शुक्र का गोचर एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय घटना है। शुक्र देव अग्नि तत्व वाली सिंह राशि से गोचर करेंगे, तो आकर्षण, जुनून और रिश्तों व करियर में मान्यता की चाह और भी प्रबल होगी। तीनों राशियों पर इसका प्रभाव उनके लग्न और भाव स्थितियों के अनुसार अलग-अलग होगा। आइए जानते हैं कि शुक्र गोचर से मकर, कुंभ और मीन राशि वालों को क्या-क्या लाभ मिलने वाला है? मकर राशि वालों के लिए शुक्र देव पंचम और दशम भाव के स्वामी हैं। सिंह राशि में शुक्र का गोचर आपके अष्टम भाव में होगा, जो परिवर्तन, शोध और गहन विषयों पर काम को बढ़ावा देगा। अचानक धन लाभ या पारिवारिक संपत्ति से फायदा संभव है। शुक्र देव की द्वितीय भाव पर दृष्टि वाणी को मधुर बनाएगी और पारिवारिक संबंधों व आर्थिक मामलों को सुधार सकती है। निजी जीवन में गुप्तता से बचें।

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बेट, टी-टी बेट, टैक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बैग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

मां पाताल भैरवी सिद्धपीठ में शारदीय क्वांर नवरात्र की तैयारियां अंतिम चरण में

समिति व श्रद्धालुओं द्वारा प्रज्जवलित किए जाएंगे ज्योति कलश

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। मानव सेवा व जनकल्याण के लिए अंचल सहित देशभर में पहचान बना चुकी बफानी सेवाश्रम समिति द्वारा अपने आशीर्वादक राष्ट्रीय संत श्री श्री 1011 योगाधिराज ब्रम्हर्षि बफानी दादा जी के आशीर्वाद से संस्था द्वारा संचालित गर्भगृह में विराजमान मां पाताल भैरवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी दश महाविद्या द्वादश ज्योर्तिलिंग शिव शक्ति सिद्धपीठ बफानी आश्रम में शारदीय क्वांर नवरात्र 22 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक हवन, पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही ज्योत प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम आयोजित है। इसके अलावा इस वर्ष शरद पूर्णिमा पर 6 अक्टूबर सोमवार को स्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को जड़ीबुटी युक्त खीर प्रसाद का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

संस्था के सचिव गणेश प्रसाद शर्मा चन्नूज् ने बताया कि सारे देश में मनाए जाने वाले मां भगवती के साधना व भक्ति का महापर्व शारदीय क्वांर नवरात्रि पर्व बफानी आश्रम स्थित मां पाताल भैरवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी दश महाविद्या द्वादश ज्योर्तिलिंग शिव शक्ति सिद्धपीठ में भी 22 सितम्बर सोमवार से 1 अक्टूबर बुधवार 2025 तक मनाया जाएगा। जिसमें प्रतिदिन माता व अन्य देवी देवताओं की विधि विधान से पूजा पाठ के अलावा आरती पूजन का कार्यक्रम आयोजित है।

नौ दिन होंगे श्रद्धा भक्ति भावपूर्ण आयोजन

शारतीय क्वांर नवरात्रि प्रतिपदा एकम 22 सितम्बर सोमवार को अविभाज्य मुहूर्त दोपहर 11.36 से 12.24 के मध्य गौरी गणेश नवग्रह स्थापना, गुरु पूजन के पश्चात माई ज्योत व गुरु ज्योत प्रज्ज्वलन के साथ ही माता व भोलेनाथ की आरती उतारी जाएगी। तत्पश्चात मनोकामना ज्योति कलश रखने वाले श्रद्धालुओं की ज्योति कलश प्रज्ज्वलित की जाएगी। 26 सितम्बर शुक्रवार को ललिता पंचमी के अवसर पर मां पाताल भैरवी सहित मां राज राजेश्वरी, त्रिपुर सुंदरी, दस महाविद्या, भगवान पातालेश्वर महादेव सहित द्वादश ज्योतिलिंगों, हनुमान जी, गणेश जी व भैरव बाबा का विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

महाअष्टमी हवन 30 को व ज्योति कलश विसर्जन 1 अक्टूबर को

इस बार नवरात्र 10 दिनों की पड़ने के कारण महाअष्टमी हवन 30 सितम्बर मंगलवार को व दुर्गा नवमी 1 अक्टूबर बुधवार को आयोजित है। संस्था द्वारा श्री यंत्र पर आधारित यज्ञ शाला में महाअष्टमी हवन 30 सितम्बर को संध्या 6 बजे से एवं ज्योति कलश विसर्जन 1 अक्टूबर बुधवार को मंदिर समिति व अन्य श्रद्धालुओं के द्वारा किया जाएगा। दुर्गा नवमी पर 10.30 बजे से कुवारी कन्या भोजन, महाआरती व ज्योति कलश विसर्जन किया जाएगा।

आयोजन में मिल रहा इनका सहयोग

इस आयोजन को लेकर संस्था के अध्यक्ष राजेश मारु, उपाध्यक्ष दीपक जोशी, सचिव गणेश प्रसाद शर्मा चन्नूज्, कोषाध्यक्ष नीलम जैन, महंत गोविंद दास, महेन्द्र लुनिया, दामोदर अग्रवाल, कमलेश सिमनकर, संतोष खंडेलवाल, सूरज जोशी, आलोक जोशी, लीलाधर सिंह, बलविंदर सिंह भाटिया, कुलबीर छाबड़ा, संजय खंडेलवाल, योगेन्द्र पांडे, मनीष परमार सहित अन्य सदस्यगणों ने आम श्रद्धालुओं से अपेक्षा की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में माता का दर्शन लाभ कर आशीर्वाद प्राप्त करें। इसके अलावा संस्था ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व नगर निगम से भी सहयोग की अपेक्षा की गई है।

शरद पूर्णिमा पर बटेगी जड़ी बुटीयुक्त खीर प्रसाद का निःशुल्क वितरण

संस्था द्वारा पिछले 27 वर्षों से भी अधिक समय से मानव सेवा एवं जनकल्याण के तहत बांटी जाने वाली निःशुल्क खीर प्रसाद का वितरण इस वर्ष शरद पूर्णिमा के अवसर पर 6 अक्टूबर 2025 सोमवार की रात्रि स्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को पौराणिक मान्यता अनुसार निःशुल्क जड़ी बुटी युक्त खीर प्रसाद का वितरण करने का निर्णय भी लिया गया है।

श्रम विभाग दुर्ग ने रसमड़ा में लगाया निःशुल्क श्रमवीर स्वास्थ्य शिविर

मजदूरों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल

राजनांदगाँव (नांदगाँव टाइम्स)। श्रमिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग, दुर्ग द्वारा ग्राम रसमडा में श्रमवीर स्वास्थ्य जांच निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. मनप्रीत सिंह भाटिया, डॉ. सोनाली तंवर, डॉ. भूपेंद्र पैकरा सहित ईएसआई के कर्मचारियों, श्रम विभाग दुर्ग के अधिकारी-कर्मचारियों तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। संतोष उईके, नरेंद्र पांडे, हीरालाल, तेजस्वी गणवीर और अजय यादव सहित कई कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग दिया। शिविर में श्रमिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ परामर्श भी दिया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के शिविर नियमित रूप से आयोजित कर श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

नगर में बजरंगियों का पथ संचलन

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। डोंगरगढ़ में विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग कच्छ गुर्जर गुजराती भवन में सम्पन्न हुआ जिसमे राजनंदगांव जिले के खंड व प्रखंड के बजरंगियों ने प्रशिक्षण लिया वर्ग में शामिल युवाओं को राष्ट्र धर्म संस्कृति व संगठन की रीति नीति से अवगत कराया गया। वर्ग में प्रथम दिन उद्घाटन सत्र रहा जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में बजरंग दल के प्रांत संयोजक शुभम नाग उपस्थित रहकर युवाओ को मार्ग दर्शन दिया! समापन सत्र में समरसता भोज का रहा आयोजन साथ ही युवाओ के आवास व भोजन की व्यवस्था प्रखंड डोंगरगढ़ के सहयोगियों द्वारा की गयी जिला स्तरीय वर्ग में विभाग के विभाग मंत्री अनुप श्रीवास सहसंयोजक सुनील सेन विहिप जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री उपाध्यक्ष तरुण हथेल जिला मंत्री त्रिगुण सदानी जिला सहमंत्री राजेंद्र सिंह, जिला सामाजिक समरसता प्रमुख लाल मुनाई सिंग धर्माचार्य प्रमुख बाबा जी बौद्ध बजंरग दल जिला संयोजक राहुल मिश्रा जिला सह संयोजक हनी गुप्ता विहिप नगर अध्यक्ष बालमुकुंद तराने नगर मंत्री अभिषेक साहू, प्रचार प्रसार प्रमुख विमल अग्रवाल,नगर संयोजक ऋषभ डकाहा सहसंयोजक गौरव अग्रवाल,विद्यार्थी प्रमुख कौशल महोबिया विद्यार्थी सह प्रमुख भावेश तराने ने उपस्थित रहकर सहयोग किया व समापन सत्र में नगर में पथ संचालन सम्पन्न हुआ जिसमें नगर के गणमान्य जन उपस्थित रहे जिसमे विश्वनाथ यादव,राजेश दम्माणी,शशिकांत द्विवेदी, कुशाल भाई चावड़ा,अमित जैन,प्रफुल्ल चावड़ा,अशोक चावड़ा,हिमांशु वेगड़,डॉ राजेश राघोर्ते,जिज्ञाशू टांक, डॉ प्रभाजन सिंह,मुकुंद मोहन साहू,सौरभ फुले,मुरली साहू,डॉ महेश तिवारी पीयूष मलागर व अन्य सभी उपस्थित रहकर सहयोग किया प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिए विहिप बजरंग दल प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोगियों के आभार व्यक्त किया।

मानवता हुई शर्मशार, 4 साल की बच्ची से दुष्कर्म

मामला - बुधवारी पारा के वार्ड नंबर 14 का।

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। कलयुग के इस काले दौर में मानवता को शर्मशार करने वाला मामला सामने आया है। मामला नगर के वार्ड क्रमांक 14 बुधवारी पारा का बताया जा रहा है जिसमें एक दादा की उम्र के एक हैवान ने अपनी नातिन की उम्र की नाबालिक बच्चे की अपनी हवस का शिकार बनाया है। बताया जाता है कि बुधवारी पारा निवासी ज्ञानी चौरे पिता पंचू चौरे उम्र- 53 निवासी वार्ड 14 बुधवारी पारा डोंगरगढ़ ने अपने घर के सामने रहने वाली 4 साल की बच्ची को अपनी हैवानियत का शिकार बनाया है। घटना 14 सितंबर के शाम 5 बजे का बताया जा रहा है। बच्ची के माता पिता उस समय बाजार गए हुए थे और बच्ची सामने पड़ोस में रहने वाले ज्ञानी के यहां उसके नाती नातिनो के साथ खेलने गई थी। जब माता पिता घर पहुंचे तो बच्ची दर्द से कराहते हुए बेहोश हो गई। जिसके बाद परिजनों के द्वारा बच्ची को अस्पताल ले जाया गया तब खुलासा हुआ कि बच्ची के साथ गलत कार्य किया गया है। थाना डोंगरगढ मे पीड़िता के माँ के रिपोर्ट पर एवं डाक्टरी मुलाहिजा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध धारा- 65(2) बीएनएस, 4(2) पॉक्सो एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम द्वारा प्रकरण के विवेचना हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिस पर थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार शाह द्वारा पुलिस स्टॉफके साथ आरोपी ज्ञानी चौरे पिता पंचू चौरे उम्र- 53 साल निवासी बुधवारी पारा को घर से गिरफ्तार कर आरोपी द्वारा अपराध घटित करना पाये जाने पर 15 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

अभियंता दिवस पर नगर निगम में कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। अभियंता दिवस के अवसर पर आज सोमवार 15 सितम्बर 2025 को नगर निगम के कार्यपालन अभियंता कक्ष में आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुक्त सहित कार्यपालन अभियंता श्री संजय वर्मा व श्री दीपक खांडे, प्र. कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम एवं निगम के इंजीनियरों ने भारत रत्न श्री मोक्षगुणम विश्वेस्वरैय्या के तैल चित्र पर माल्यापर्ण कर पूजा अर्चना किये और एक दूसरे को अभियंता दिवस की बधाई दिये। कार्यक्रम में अभियंता दिवस की शुभकामनाएं देते हुये आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया ने आधुनिक भारत में बांध, जलाशय और जल विद्युत परियोजना के निर्माण में महती भूमिका निभाई थी।

अनुपूर्णा मुहिम : जरूरतमंद परिवार को दूसरी बार मिली राहत सामग्री

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। समाज में अनेक ऐसे गरीब और जरूरतमंद परिवार हैं जो जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं में से एक मिल चाल कॉलोनी में रहने वाली दिव्या लकड़ा का परिवार भी है। पति के छोड़ जाने के बाद चार माह की बच्ची सहित परिवार का भरण-पोषण करना दिव्या के लिए बहुत कठिन हो गया था। कभी पड़ोसी मदद कर देते तो कभी भूखे पेट दिन गुजर जाते। ऐसी स्थिति में सतगुरु संत रामपाल जी महाराज जी द्वारा चलाई जा रही अनुपूर्णा मुहिम इस परिवार के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। 13 सितंबर को दूसरी बार इस परिवार को निःशुल्क राशन सामग्री दी गई जिसमें आटा, चावल, दाल, तेल, नमक जैसी खादय घरेलु आवश्यक सामग्री खाना बनाने के लिए आवश्यक सामान जैसे गंजी कढ़ाई गैस सिलेंडर चूल्हा व कपड़े थी साथ ही संत रामपाल जी महाराज जी के आदेश से इनका महीने का घर किराया चुकाया गया बिजली बिल भी। चुकाया गया संत रामपाल जी महाराज जी के द्वारा चलाई जा रही इस अन्नपूर्णा मुहीम के तहत से इस परिवार को राहत की सांस मिली और संत रामपाल जी महाराज जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। संत रामपाल जी महाराज अनुपूर्णा मुहिम का उद्देश्य भूख से जूझ रहे परिवारों तक निःशुल्क राशन पहुँचाना और समाज में मानवता की सेवा का संदेश देना है। यह मुहिम जरूरतमंदों के लिए सहारा बन रही है और अनेक जरूरतमंद परिवार इसका लाभ उठा रहे हैं।

दीवानभेड़ी में ग्रामीणों ने अवैध शराब खरीदी और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। ब्लाक के चार गांव कोहका , मोहड़ , माथलडबरी,रंगकठेरा, के बाद अब ग्राम दीवानभेड़ी में भी ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से अवैध शराब खरीदी बिक्री के खिलाफ बंद करने का निर्णय लिया गया है गांव में अवैध शराब खरीदी बिक्री होने से नवयुवक और नाबालिक बच्चों भी नशे की गिरफ्त में आ जाने के कारण गांव के ग्रामीणों ने अवैध शराब गांजा और अन्य नशीला पदार्थ की खरीदी बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है इनके अलावा जो भी इस नशा में संलिप्त होंने पर उनके खिलाफ अर्थदंड और डनात्मक कार्यवाही भी की जाएगी, अगर गांव में सार्वजनिक स्थानों में शराब पीने या पिलाने, पानी पाउच डिस्पोजल के अलावा शांति भंग करने वाले के खिलाफभी दंड की कार्यवाही भी की जाएगी इस नशा में शामिल होने वाले खिलाफ कानूनी कार्रवाई तथा सामाजिक बहिष्कृत की कार्यवाही भी की जाएगी।

श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में अध्यात्म के दिव्य आयामों का अद्भुत वर्णन : अभिषेक कृष्ण शास्त्री

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। अध्यात्म की अनंत गहराइयों में: रामराज्य की अनुपम दिव्यता और भगवान कृष्ण की मधुर बाल लीला का अद्वितीय संगम ग्राम जेवरतला, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) में बड़ा बनना चंद्राकर परिवार के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के भव्य आयोजन में, विख्यात कथावाचक अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को अध्यात्म के दिव्य आयामों की अद्भुत यात्रा पर ले जाकर रामराज्य की अनुपम दिव्यता और भगवान कृष्ण की मधुर बाल लीलाओं का अद्वितीय वर्णन किया। इस पवित्र सप्ताह (दिनांक 11 सितंबर से 18 सितंबर) के दौरान आयोजित कथा में श्रद्धालुओं ने भगवान की अनंत लीलाओं का रसपान किया और जीवन के परम सत्य को समझने का प्रयास किया। स्थान: ग्राम जेवरतला, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) - आयोजक: बड़ा बनना चंद्राकर परिवार - कथावाचक: अभिषेक कृष्ण शास्त्री - आयोजन अवधि: 11 सितंबर से 18 सितंबर - विशेष आयोजन: श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह रामराज्य: एक आदर्श और दिव्य शासन - अयोध्या की स्वर्णिम प्रभात: राम के शासन में अयोध्या सुख, समृद्धि और शांति का अद्वितीय उदाहरण थी। न्याय और करुणा का संगम: राम का राज्य न्यायप्रिय और करुणामय था, जहां हर प्राणी सुखी और संतुष्ट था। धर्म की प्रतिष्ठा: राम ने अपने राज्य में धर्म को सर्वोच्च स्थान दिया और प्रजा को धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। प्रकृति की अनुपम छटा: रामराज्य में प्रकृति भी अपनी सुंदरता और शांति के साथ खिली हुई थी। राम का चरित्र: मर्यादा पुरुषोत्तम राम का चरित्र हमें आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देता है। प्रजा का प्रेम: राम के प्रति प्रजा का अनन्य प्रेम और समर्पण था। शासन की कुशलता: राम का शासन कुशल, न्यायपूर्ण और प्रजा हितैषी था। रामराज्य का प्रभाव: रामराज्य का प्रभाव समाज में सद्भाव, शांति और समृद्धि लाने वाला था। भगवान कृष्ण की बाल लीला: मिट्टी खाने की मधुर और दिव्य कथा गोकुल की अनंत माधुरी: भगवान कृष्ण की बाल लीला गोकुल में अत्यंत मधुर और आकर्षक थी। मिट्टी खाने की लीला: एक प्रसंग में कृष्ण ने मिट्टी खाई, जिससे यशोदा मैया चिंतित हुईं। ब्रह्मांड का अद्भुत दर्शन: जब यशोदा ने कृष्ण का मुंह देखा, तो उन्हें पूरे ब्रह्मांड का अद्भुत दर्शन हुआ। प्रेम और अनन्य भक्ति: इस लीला में कृष्ण की बाल सुलभता और गोपियों व यशोदा की अनन्य भक्ति प्रकट होती है। दिव्य माधुर्य: कृष्ण की लीलाएं उनके अनंत माधुर्य और दिव्यता को दर्शाती है। बाल लीला का महत्व: कृष्ण की बाल लीलाएं भक्तों को भगवान के प्रति आकर्षित करती हैं। यशोदा मैया का वात्सल्य: यशोदा मैया का वात्सल्य और प्रेम अद्वितीय था। गोकुल की मधुरता: गोकुल में कृष्ण की लीलाओं ने मधुरता और प्रेम का वातावरण बनाया। कृष्ण की लीलाओं का संदेश: कृष्ण की लीलाएं हमें प्रेम, सरलता और भक्ति की शिक्षा देती हैं। अध्यात्म का परम उद्देश्य- परम सत्य की खोज: अध्यात्म हमें परम सत्य यानी ईश्वर के साथ जुड़ने की प्रेरणा देता है। आत्मशुद्धि और आत्मज्ञान: अध्यात्मिक मार्ग आत्म।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मोः 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com